

### महिलाओं के प्रति अपराध

1302. श्री सत्यनारायण जटिया :  
क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय दण्ड संहिता की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत जनवरी से लेकर अक्टूबर, 1980 तक की अवधि के दौरान महिलाओं पर जुल्म, अत्याचार और बलात्कार जैसे अपराधों के कुल कितने मामले दर्ज कराये गये हैं; और

(ख) उनमें से कितने ऐसे मामले हैं जो सरकारी कर्मचारियों के विरुद्ध दर्ज किये गये हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाना): (क) और (ख). अपेक्षित सूचना एकत्र की जा रही है और उसके प्राप्त होने पर एक विवरण सभा पटल पर रख दिया जाएगा ।

### Researches for Conservation of Petrol and Diesel

1303. SHRI A. T. PATIL: Will the Minister of SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) whether successful researches have been made by Indian Scientists and technologists for conservation of petrol and diesel by mixing it with ethanol or any other substances for use as a fuel for automobiles and engine oil by recharging or refining; and

(b) what action Government propose to take in respect of these researches to encourage them or otherwise?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF SCIENCE AND TECHNOLOGY SHRI C. P. N. SINGH): (a) and (b). Many scientific and engineering institutions such as Indian Institutes of Technology,

Madras and New Delhi; College of Engineering, Guindy, Madras; Indian Institute of Petroleum, Dehradun, and the Research Wing of the Indian Oil Corporation are seriously engaged in research activities pertaining to the use of ethanol as a substitute fuel in combustion engines. While the researches carried out so far have shown the technical feasibility of using ethanol in engine to reduce petrol and diesel consumption, ethanol by virtue of its chemical structure, is better suited for making high value added chemical products, through its use as feedstock in the chemical industry rather than as direct fuel. Use of ethanol in chemical industry could replace some of the naphtha which would otherwise have been used up. R & D efforts are at present being directed towards increasing substantially the alcohol production by improving the process efficiencies, using a variety of feed materials, such as agricultural residues, cassava etc. rather than depend on sugarcane as a base. If alcohol production can be significantly enhanced without encroaching on prime agricultural land that is needed for food production, then there will be a great future in the use of alcohol as feedstock and fuel.

छठी योजना के दौरान निर्माण के लिए  
प्रस्तावित बड़े बांध

1304. श्री विलास मुत्तेप्पवार : क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि छठी पंचवर्षीय योजना के दौरान ऐसे कितने बड़े बांधों के निर्माण का विचार है जो कृषि संबंधी विकास के लिए सिंचाई आवश्यकताओं और औद्योगिक विकास के लिए बिजली की सप्लाई की आवश्यकता को बड़े पैमाने पर पूरा कर सकें ?

योजना तथा श्रम मंत्री (श्री नारायण बलू तिवारी) : जी, 1980-85 की छठी पंचवर्षीय योजना को अभी अंतिम रूप दिया जाना है। छठी पंचवर्षीय योजना की अवधि में बनाए जाने वाले बड़े बांधों की संख्या

छठी योजना को अन्तिम रूप दिए जाने के बाद ही मालम होंगे। छठी योजना को अन्तिम रूप देने का काम चल रहा है।

### औद्योगिक संबंध विधेयक

1305. श्री रामाबतार शास्त्री : क्या भ्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने बार-बार यह घोषणा की है कि एक व्यापार औद्योगिक संबंध विधेयक लाये जाने का प्रस्ताव है;

(ख) क्या सरकार ने उसकी रूपरेखा तैयार कर ली है;

(ग) यदि हां, तो उसकी मुख्य बातें क्या हैं और यदि नहीं, तो उक्त विधान को संसद में पुरःस्थापित करने में क्या कठिनाइयाँ हैं और इसे कब पेश किये जाने की आशा है;

(घ) क्या सरकार का विचार उक्त विधेयक को संसद् के चालू सत्र में पेश करने का है; और

(ङ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

भ्रम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती राम दुलारी सिन्हा) : (क) से (ङ). इस समय ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है कि व्यापक औद्योगिक संबंध विधेयक लाया जाए। लेकिन इस मामले में सरकार द्वारा नियोजकों, श्रमिकों और राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों के साथ हुए विचार-विमर्श को ध्यान में रखते हुए और अतैक्य के अनुरूप, तीनों कानूनों में, जिनमें ट्रेड यूनियनों, स्थाई आदेश और औद्योगिक विवाद आते हैं, कुछ तत्काल संशोधन पर विचार किया जा रहा है।

सिंहभूम जिला, बिहार में आदिवासियों द्वारा सत्याग्रह

1306. श्री चन्द्रदेव प्रसाद वर्मा : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आदिवासियों ने अपनी माँगों के सिलसिले में बिहार में गत सितम्बर मास में सिंहभूम जिले के अनेक स्थानों पर सत्याग्रह किये थे जिनमें आदिवासियों तथा पुलिस में हुई झड़पों के फलस्वरूप 12 आदिवासी तथा 4 पुलिसकर्मी मारे गये थे, और

(ख) यदि हाँ, तो आदिवासियों की माँग क्या है और उनको पूरा करने में क्या कठिनाइयाँ सामने आ रही हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाना) : (क) जी नहीं, श्रीमान। आदिवासियों ने सितम्बर, 1980 में बिहार में सिंहभूम जिले में सत्याग्रह नहीं किया था। 8 सितम्बर, 1980 को गुमना जिला सिंहभूम में दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के अंतर्गत प्रतिषेधात्मक आदेश के उल्लंघन में धनुष और बाणों और अन्य घातक हथियारों से लैस लगभग 2,500 व्यक्ति, दो नेता श्री भुवनेश्वर महतो और श्री बैशाखी गोप गिरफ्तार किए गए थे। इसके परिणाम-स्वरूप प्रतिषेधात्मक आदेश को लागू रखने के लिए मजिस्ट्रेट के साथ तैनात पुलिस बल पर धनुष और बाणों से सशस्त्र आक्रमण किया गया। जमाव को विधि विरुद्ध घोषित किया गया और भीड़ से तितर-बितर होने के लिए कहा गया। भीड़ तितर-बितर नहीं हुई। पुलिस ने लाठी प्रहार और अश्रु गैस का सहारा लिया जो निष्प्रभावी रहा और आक्रमण जारी रहा। तीन पुलिस कार्मिक घटनास्थल पर मारे गए और वे बड़ी संख्या में जख्मी हुए। शेष बल पुनः एकत्र हुआ और न केवल भीड़ को तितर-बितर करने आप्तु शबो को बरामद करने और घायलों का उपचार के लिए ले जाने के लिए उसने गोली चलाने का सहारा